

माध्यमिक शिक्षा मण्डल,
मध्यप्रदेश



प्रादर्श प्रश्न पत्र
एवं
आदर्श उत्तर

कक्षा 12वीं

गृहविज्ञान (कला समूह)
2008-2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
सर्वाधिकार सुरक्षित माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :- XII

परीक्षा : हायर सेकण्डरी

पूर्णांक :- 75

विषय :- गृहविज्ञान (कला समूह)

समय : 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	
1.	श्वसन तंत्र, रक्त परिसंचरण तंत्र, उत्सर्जन तंत्र	12	3	1	1	—	2
2.	नलिका विहीन ग्रन्थियाँ	07	3	1	—	—	1
3.	प्राथमिक चिकित्सा	04	—	1	—	—	1
4.	आय प्रबंधन, बचत और निवेश	10	4	—	—	1	1
5.	भोज्य समूह, कुपोषण	10	—	1	—	1	2
6.	भोज्य पदार्थों का संरक्षण	08	3	—	1	—	1
7.	आहार में मिलावट	08	3	—	1	—	1
8.	वस्त्र विज्ञान	04	—	1	—	—	1
9.	वंशानुक्रम एवं वातारण	06	2	1	—	—	1
10.	कटाई, सिलाई एवं प्राचीन भारतीय कढ़ाई का इतिहास	06	2	1	—	—	1
	योग =	75	(20)=4	07	03	02	12+4=16

निर्देश :-

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 4 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर, जोड़ी बनाना, सही विकल्प अथवा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक निर्धारित हैं। अर्थात् कुल 20 अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाने हैं।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर — 35-40% सरल प्रश्न, 45-50% सामान्य प्रश्न, 10-15% कठिन प्रश्न

आदर्श प्रश्न पत्र
विषय – गृहविज्ञान (कला समूह)
कक्षा 12वीं

समय 3 : घण्टे

पूर्णांक – 75

निर्देश :-

1. प्रश्न पत्र दो खण्ड 'अ' एवं 'ब' में विभाजित है।
2. खण्ड 'अ' को चार भागों में बाँटा गया है। सभी के लिये 5 अंक निर्धारित हैं।
(5 X 4 = 20 अंक)
3. खण्ड 'ब' में कुल 12 प्रश्न हैं। प्रत्येक के साथ आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।
4. आवश्यकतानुसार स्वच्छ नामांकित चित्र बनाइये।

खण्ड 'अ'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :-

- प्र01. एक वाक्य में उत्तर लिखें।** **05**
- (a) वातावरण क्या है ?
 - (b) रक्त को छानने का कार्य शरीर का कौन सा अंग करता है।
 - (c) भोज्य संरक्षण क्या है ?
 - (d) वंशानुक्रम किसे कहते हैं ?
 - (e) निवेश से आप क्या समझते हैं ?
- प्र02. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये।** **05**
- (a) अग्नाशय से नामक हार्मोन्स स्रावित होता है।
 - (b) कणिकायें शरीर की रक्षक कहलाती हैं।
 - (c) अण्डाशय से हार्मोन्स स्रावित होता है।
 - (d) कपड़ा काटने से पूर्व कर लेना चाहिये।
 - (e) स्वस्थ मनुष्य में श्वसन की गति 1 मिनट में बार होती है।

प्र03. सही विकल्प चुनिये :-

05

- (a) अस्तर का प्रयोग करते हैं।
(i) कपड़ा मोटा है। (ii) कपड़ा पतला है।
(iii) खुरदुरा है। (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं।
- (b) पीयूष ग्रंथि के अनुभाग से स्रावित हार्मोन्स है।
(i) थायरोक्सिन (ii) एड्रीनलिन
(iii) वृद्धि हार्मोन (iv) इंसुलिन
- (c) जिस चेक में प्राप्तकर्ता के सामने वाहक लिखा रहता है वह चेक कहलाता है।
(i) आदेशक चेक (ii) वाहक चेक
(iii) रेखण चेक (iv) विशेष रेखण चेक
- (d) परिवार के व्यय को बाँटा जा सकता है।
(i) दो भागों में (ii) चार भागों में
(iii) तीन भागों में (iv) उपरोक्त में से कोई नहीं।
- (e) सर्वोत्तम बजट है।
(i) बचत का बजट (ii) संतुलित बजट
(iii) घाटे का बजट (iv) कोई नहीं।

प्र04. सही जोड़ी बनाइये :-

05

- | | |
|---------------|-----------------|
| 1. खेसरी दाल | 1. ईट का चूरा |
| 2. लाल मिर्च | 2. पपीते के बीज |
| 3. काली मिर्च | 3. हल्दी, नमक |
| 4. अचार | 4. लेथीरिज्म |
| 5. चावल | 5. तेल, नमक |

खण्ड 'ब'

प्र05. मनुष्य के श्वसन अंगों के नाम लिखिये।

04

अथवा

शरीर में रक्त शुद्धिकरण की प्रक्रिया को समझाइये।

- प्र06. पीयूष ग्रंथि के अग्रभाग से स्रावित होने वाले हार्मोन्स के नाम एवं कार्य लिखिये। 04

अथवा

थॉयराइड ग्रंथि से स्रावित हार्मोन के कार्य लिखिये।

- प्र07. रोगी का तापक्रम लेते समय किन-2 बातों का ध्यान रखना चाहिये। 04

अथवा

रोगी को आहार देते समय किन-2 बातों का ध्यान रखना चाहिये।

- प्र08. भोजन में सागभाजी के महत्व को स्पष्ट कीजिये। 04

अथवा

दालों एवं अनाजों को अंकुरित करने पर उनके पोषक तत्वों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

- प्र09. नायलोन के वस्त्रों की विशेषतायें लिखिये। 04

अथवा

रेयान के वस्त्रों की विशेषताएँ लिखिये।

- प्र010. वंशानुक्रम पर प्रभाव डालने वाले कारकों को समझाइये। 04

अथवा

बाह्य वातावरण को प्रभावित करने वाले कारकों को समझाइये।

- प्र011. ड्रापिंग के लिये आवश्यक विभिन्न उपकरणों के नाम लिखिये। 04

अथवा

पेपर पैटर्न तैयार करने के क्या लाभ हैं ? समझाइये।

- प्र012. हृदय की आंतरिक रचना का स्वच्छ नामांकित चित्र बनाइये। 05

अथवा

उत्सर्जन तंत्र का स्वच्छ नामांकित चित्र बनाइये।

प्र013. भोज्य संरक्षण का क्या महत्व है ? समझाइये। 05

अथवा

भोज्य संरक्षण की विधियाँ कौन-2 सी हैं ? संक्षिप्त में समझाइये।

प्र014. मिलावट का शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है। समझाइये। 05

अथवा

मिलावट के क्या कारण हैं ? समझाइये।

प्र015. बजट का क्या महत्व है स्पष्ट कीजिये। 06

अथवा

साधनों की विशेषताएँ समझाइये।

प्र016. कुपोषण के कारणों की व्याख्या कीजिये। 06

अथवा

“दूध एक संपूर्ण आहार है।” इस कथन की व्याख्या कीजिये।

आदर्श उत्तर
विषय – गृहविज्ञान (कला समूह)
कक्षा 12वीं

समय 3 : घण्टे

पूर्णांक – 75

खण्ड 'अ'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :-

उ01. एक वाक्य में उत्तर लिखें।

- (1) वातावरण:-वे सभी वस्तुयें, जो हमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।
- (2) वृक्क
- (3) भोज्य पदार्थों को अधिक समय तक गुणवत्ता खराब हुये बिना संरक्षित करना ही भोज्य संरक्षण कहलाता है।
- (4) माता-पिता एवं पूर्वजों से संतति को प्राप्त होने वाले गुणों को वंशानुक्रम कहते हैं।
- (5) धन वृद्धि के लिये आय को विभिन्न बचत योजनाओं में व्यय करना निवेश कहलाता है।

उ02. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये।

- (1) इन्सुलिन नामक हार्मोन्स
- (2) श्वेत रक्त कणिकायें
- (3) एस्ट्रोजन
- (4) ड्रापिंग, धो लेना चाहिये।
- (5) 18 से 20 बार

उ03. सही विकल्प चुनिये :-

- (1) कपड़ा पतला है।
- (2) वृद्धि हार्मोन
- (3) वाहक चेक
- (4) चार भागों में
- (5) बचत का बजट

उ04. सही जोड़ी बनाइये :-

- | | |
|---------------|-----------------|
| 1. खेसरी दाल | 1. लेथीरिज्म |
| 2. लाल मिर्च | 2. ईट का चूरा |
| 3. काली मिर्च | 3. पपीते के बीज |
| 4. अचार | 4. हल्दी, नमक |
| 5. चावल | 5. तेल, नमक |

खण्ड 'ब'

उ05. मनुष्य के श्वसन अंगों के नाम -

1. नासिका
2. गला
3. स्वरयंत्र
4. श्वास नली
5. श्वसनी
6. श्वसनिकाएँ
7. वायुकोष
8. फेफड़े
9. वक्षस्थल का पिजरा
10. डायफ्राम

अथवा

जब हम सांस लेते हैं तो वायु नासिका के द्वारा फेफड़ों में पहुँचती है। फेफड़ों में उपस्थित वायुकोष के गुच्छे एवं उनसे सटे हुए केशवाहिनियों का जाल बिछा रहता है। वायुकोष एवं केशवाहिनियों की दीवार इतनी महीन होती है, कि उनमें गैसों की व्यतिकरण की क्रिया आसानी से हो जाती है। केशवाहिनियों में उपस्थित रक्त में कार्बन डाय ऑक्साईड वायुकोष में पहुँच जाती है तो वायुकोष में उपस्थित आक्सीजन रक्त में उपस्थित हीमोग्लोबिन से संयुक्त होकर आक्सीहीमोग्लोबिन बनाता है जिससे रक्त शुद्ध हो जाता है इस शुद्ध रक्त को फुफ्फुसीय शिराओं द्वारा हृदय में भेजा जाता है। जहाँ से शुद्ध रक्त पूरे शरीर में भेजा जाता है यह प्रक्रिया इस प्रकार चलती रहती है।

उ06. पीयूष ग्रंथि के अग्रभाग से स्रावित होने वाले हार्मोन्स के नाम एवं कार्य

हार्मोन्स	कार्य
1. वृद्धि हार्मोन	— शारीरिक वृद्धि एवं विकास
2. प्रोलेक्टिन हार्मोन	— दूध के स्त्रवण में मदद करता है।
3. सोमेटोट्रोफिक हार्मोन	— यह भी वृद्धि एवं विकास में मदद करता है।
4. थायरो ट्रोफिक हार्मोन—	थायराइड ग्रंथि का नियमन
5. एड्रीनोकाट्रिको ट्रोफिक— हार्मोन	एड्रीनल ग्रंथि का नियमन
6. गोनेडोट्रोफिक हार्मोन	— जनन ग्रंथि का नियमन

अथवा

थायराइड ग्रंथि के कार्य —

1. उपापचयी दर को नियंत्रित करना।
2. आंत में ग्लूकोस के अवशोषण की दर बढ़ाना।
3. शरीर के तापक्रम को नियंत्रित करना।
4. हृदय स्पंदन दर बढ़ाना।
5. कोशिकाओं में आधार उपापचयी दर बढ़ाना।

उ07. रोगी का तापक्रम लेते समय निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिये।

1. तापक्रम लेते समय थर्मामीटर को निःसंक्रमित कर लेना चाहिये।
2. थर्मामीटर को घुण्डी की तरफ से नहीं पकड़ना चाहिये।
3. थर्मामीटर को धोने के लिये गर्म पानी का उपयोग नहीं करना चाहिये।
4. छोटे बच्चों का तापक्रम लेते समय थर्मामीटर मुँहमें नहीं लगाकर बगल में लगाना चाहिये।
5. तापमान लेने से पूर्व थर्मामीटर को झटककर पारा नीचे कर लेना चाहिये।

अथवा

रोगी को आहार देते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिये।

1. रोगी को भोजन हल्का एवं सुपाच्य होना चाहिये।
2. रोगी का भोजन उसके रोग के अनुसार होना चाहिये।
3. रोगी का भोजन एक साथ नहीं देना चाहिये थोड़ा-2 कुछ घण्टों के अन्तराल में देना चाहिये।
4. रोगी को भोजन आकर्षक ढंग से परोसकर देना चाहिये।
5. कोशिकाओं में आधार उपापचयी दर बढ़ाना।

उ08. भोजन में सागभाजी का महत्व –

1. हरी सब्जियाँ पाचक तथा पूर्ण ऊर्जा प्रदान करने वाली होती हैं।
2. हरी सब्जियाँ रेशेदार होती हैं। जिससे आंतों में क्रमाकुंचन गति नियंत्रित रहती है और पाचन संस्थान स्वस्थ रहता है।
3. इनमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि लवण पाये जाते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभप्रद होते हैं।
4. इनमें विटामिन 'ए', 'बी', 'सी' आदि प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। जो शरीर के लिये अत्यंत लाभप्रद रहते हैं।

अथवा

दालों एवं अनाजों को अंकुरित करने से अनाजों में विटामिन सी तथा ई की मात्रा बढ़ जाती है।

दालों के अंकुरिकरण में दालों में विटामिन 'बी' तथा 'सी' की मात्रा बढ़ जाती है। फाइटेट जो कि कैल्शियम व आयरन के अवशोषण में बाधक है खमीरीकरण से काफी कम हो जाता है तथा प्रोटीन की मात्रा भी काफी मात्रा में बढ़ जाती है।

उ09. नायलोन के वस्त्रों की विशेषतायें –

1. इनमें नमी सोखने की क्षमता का अभाव होता है इस कारण यह जल्द सूख जाते हैं।
2. रगड़ या घर्षण का इन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता।

3. नायलोन के वस्त्र अधिक ताप पर पिघल जाते हैं।
4. नायलॉन के वस्त्र अत्यंत मजबूत होने के कारण काफी टिकाऊ होते हैं। इनमें पर्याप्त लचीलापन पाया जाता है।

अथवा

रेयान के वस्त्रों की विशेषताएँ –

1. रेयान का कृत्रिम सिल्क के रूप में भी जाना जाता है।
2. लंबे रेशों से बना रेयान अधिक मजबूत तथा टिकाऊ जाता है जबकि छोटे रेशों से बना वस्त्र कमजोर रहता है।
3. इनमें प्राकृतिक तन्यता नहीं होती है इसी कारण इससे निर्मित वस्त्र कोहनी घुटने आदि पर जल्द फट जाते हैं।
4. ताप से ये वस्त्र शीघ्र पिघल जाते हैं।
5. घर्षण से ये वस्त्र कमजोर पड़ते हैं साथ ही इनकी चमक भी कम हो जाती है।

उ010. वंशानुक्रम पर प्रभाव डालने वाले कारक –

1. शारीरिक कारक
2. मानसिक कारक
3. सामाजिक कारक
4. भौतिक कारक
(प्रत्येक का संक्षिप्त वर्णन)

अथवा

बाह्य वातावरण को प्रभावित करने वाले तत्व –

1. भौतिक वातावरण
 - (i) जलवायु
 - (ii) भोजन
 - (iii) शुद्ध वायु तथा सूर्य का प्रकाश

2. मानवीय वातावरण
(i) परिवार (ii) आस पड़ोस आदि
(प्रत्येक का संक्षिप्त वर्णन)

उ011. ड्रापिंग के लिये आवश्यक उपकरण –

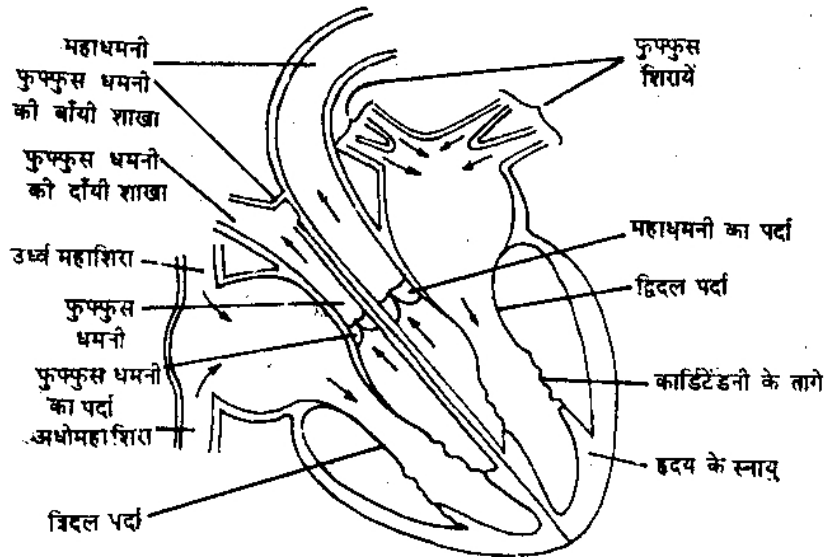
पिन, मिल्टन क्लथ, लकड़ी की मेज, गुनिया, फेंचकर्व फुटा, कम्पास, मोम चाक, बड़ी कैंची, मीट्रिक टेप आदि।

अथवा

पेपर पैटर्न के लाभ –

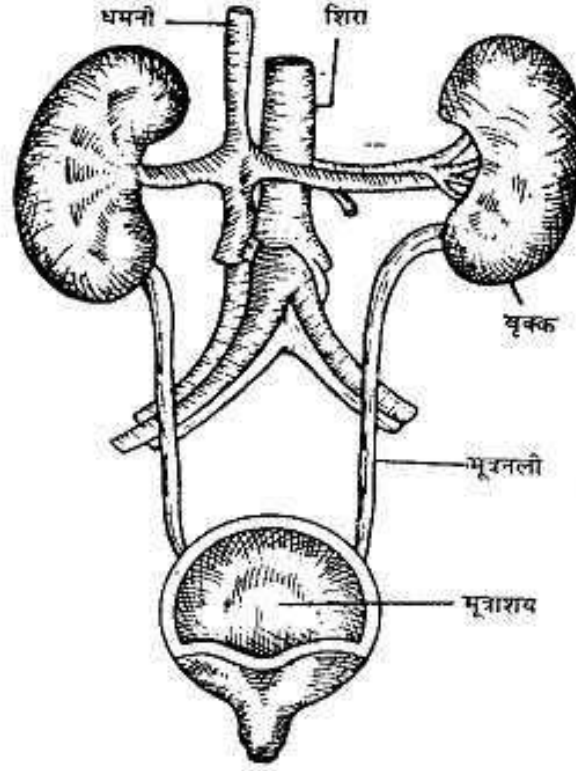
1. कागज का बना होने के कारण सस्ता पड़ता है।
2. एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने में आसान।
3. कपड़े का अंदाज लगता है।
4. गलतियों की संभावना नहीं रहती।
5. अनुभवहीन के लिये भी सहायक।

उ012. हृदय की आंतरिक रचना का चित्र –



अथवा

उत्सर्जन तंत्र का चित्र –



उ013. भोज्य संरक्षण का महत्व –

1. मौसम के अनुसार आने वाले भोज्य पदार्थों की अतिरिक्त मात्रा को लम्बे समय तक सुरक्षित रखा जा सके।
2. जिन स्थानों पर विशेष खाद्य पदार्थ प्राप्त नहीं होता वहाँ सुरक्षित एवं परिरक्षित खाद्य पदार्थ आसानी से पहुँचाये जा सकते हैं।
3. भोज्य पदार्थ को संरक्षित करने से समय, ईंधन व धन की बचत होती है।
4. प्राकृतिक आपदाओं जैसे – अकाल, बाढ़ आदि के समय संरक्षित खाद्य पदार्थों का उपयोग करना।

अथवा

भोज्य संरक्षण की विधियाँ –

1. ऊष्णता के निष्कासन द्वारा।
2. आद्रता के निष्कासन द्वारा।

3. हवा के निष्कासन द्वारा
4. रासायनिक पदार्थों के द्वारा
5. नमक, तेल, शक्कर द्वारा (प्रत्येक का संक्षिप्त वर्णन)

उ014. मिलावट का शरीर पर प्रभाव –

1. त्वचा खुरदुरी, शुष्क एवं झुर्रीदार हो जाती है।
2. त्वचा का रंग पीला पड़ जाता है।
3. मांसपेशियाँ शिथिल पड़ जाती हैं।
4. अस्थियों की वृद्धि व विकास की गति में अवरोध उत्पन्न हो जाता है।
5. नेत्र रोगग्रस्त हो जाते हैं।
6. शरीर में रक्त की कमी हो जाती है।
7. पाचन क्रिया मंद पड़ जाती है।

अथवा

मिलावट के कारण –

1. अधिक लाभ कमाना।
2. उत्पादन की कमी को पूरा करने के लिये।
3. वजन बढ़ाने हेतु।
4. बिक्री बढ़ाने के लिये।

उ015. बजट का महत्व –

1. व्यय पर नियंत्रण
2. बजट में बचत
3. ऋण से मुक्ति
4. आय व्यय का संतुलन
5. कम खर्च की आदत
6. हिसाब में नियमितता
7. पूर्व निश्चित योजना
8. मूल्यांकन

अथवा

साधनों की विशेषताएँ –

1. समस्त साधन लाभप्रद हैं।
2. सभी साधन सीमित हैं।
3. बिना व्यवस्थापन के साधनों का प्रयोग संभव नहीं।
4. जीवन का स्तर साधनों के उचित प्रयोग पर निर्भर करता है।
(प्रत्येक का संक्षिप्त वर्णन)

उ016. कुपोषण के कारण –

1. भोजन सम्बंधी कारण
 - (i) अपर्याप्त भोजन
 - (ii) अनुपयुक्त भोजन
 - (iii) अनुचित भोजन
 - (iv) भोजन सम्बंधी आदतें
2. सामान्य कारण –
 - (i) अस्वास्थ्यकर वातावरण
 - (ii) अत्याधिक कार्य
 - (iii) निद्रा की कमी
3. सामाजिक व आर्थिक कारण
4. रोगात्मक कारण (प्रत्येक बिन्दु की संक्षिप्त में व्याख्या)

अथवा

“दूध एक संपूर्ण आहार है।”

दूध एक संपूर्ण आहार है क्योंकि इसमें शरीर की आवश्यकता अनुसार सभी पोषक तत्व उपस्थित रहते हैं। इसमें पाया जाने वाला प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आसानी से पच जाते हैं। इसमें कैल्सियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो हड्डी एवं दाँतों के निर्माण के लिये अत्यंत आवश्यक है। आयरन का इसमें अभाव रहता है। विटामिन ए, थायामिन, राइबोफ्लेविन पाया जाता है। विटामिन सी नहीं पाया जाता है। वसा की मात्रा दूध के स्रोतों पर निर्भर करती है भैंस के दूध में सबसे अधिक वसा, गाय में उससे कम व सबसे कम वसा माँ के दूध में पायी जाती है। इन सभी पोषक तत्वों को देखते हुए दूध वृद्ध एवं बच्चों से लेकर मरीजों के लिये भी पौष्टिक माना जाता है।